



Hind. Stam. Ac
 Recd
 Dat
 FILE NO

॥ श्रीः ॥

विनयवर्णमाला ।

भक्ति-रस का एक सरल काव्य ।

जिसको

श्री काशी शिवपुरा ग्राम निवासी

जगदेवदास ने

वर्णों के क्रम से प्रत्येक वर्ण को आदि में रख

ईश्वराराधन पाठ भक्तजनो के विनोदार्थ

कुराडलिया रचा ।

(पुस्तक के सर्व अधिकार प्रकाशक को है ।)

दुर्गाप्रसाद खत्री द्वारा

‘लहरी प्रेस’ काशी में

मुद्रित और प्रकाशित ।

१९२२ ई०

